भारत सरकार
आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3384
12 मार्च 2026, को उत्तर दिए जाने के लिए

मुरादाबाद में अपशिष्ट जल प्रबंधन

3384.श्रीमती रुचि वीराः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में विशेषकर मुरादाबाद शहर और पकवारा के तेजी से बढ़ते शहरी और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में अपशिष्ट जल प्रबंधन, नगरीय जल निकासी और शोधित जल के पुनः उपयोग की पर्याप्तता की समीक्षा की है जहां मानसून के दौरान अशोधित, जाम नालियों और जलभराव से जन स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है और सतही और भू-जल स्त्रोत संदूषित हो रहे हैं;
(ख) यदि हां, तो जिले में नगरीय जल की कमी और प्रदूषण को कम करने के लिए सरकार द्वारा सीवेज शोधन क्षमता का विस्तार, नाली पुनर्निर्माण कार्य, जल पुनः उपयोग पहल, निगरानी तंत्र और अंतर-विभागीय समन्वय सहित किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री
(श्री तोखन साहू)

(क) से (ग): जल एवं स्वच्छता राज्य का विषय है। भारत सरकार योजनाबद्ध हस्तक्षेपों/परामर्शिकाओं के माध्यम से राज्यों के प्रयासों में सहयोग करती है। सरकार अटल नवीकरण और शहरी परिवर्तन मिशन (अमृत) और अमृत 2.0 जैसी विभिन्न योजनाओं/मिशनों के माध्यम से राज्यों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता प्रदान करती है।

अमृत/अमृत 2.0 के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परियोजनाओं का चयन, उनका मूल्यांकन, प्राथमिकता निर्धारण और उन्हें कार्यान्वित करने का अधिकार दिया गया है।

अमृत योजना के तहत, उत्तर प्रदेश ने मुरादाबाद जिले में 388.01 करोड़ रु. की 14 परियोजनाएं शुरू की हैं, जिनमें 365.62 करोड़ रु. की 4 सीवरेज/सेप्टेज प्रबंधन परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें 1.13 लाख सीवर कनेक्शन (सेप्टेज प्रबंधन के अंतर्गत आने वाले घरों सहित) शामिल हैं। राज्य ने मुरादाबाद जिले में अमृत योजना के तहत कोई भी सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपीएस) संवर्धन या तूफानी वर्षा जल निकासी परियोजना शुरू नहीं की है।

अमृत 2.0 के तहत मुरादाबाद जिले में 436.89 करोड़ रु. की 11 परियोजनाओं को अनुमोदित किया गया है। राज्य सरकार ने मुरादाबाद जिले में अमृत 2.0 के तहत कोई सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन परियोजना शुरू नहीं की है।

राज्य द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, मुरादाबाद नगर निगम में प्रयुक्त जल प्रबंधन के लिए, प्रतिदिन 130 मिलियन लीटर (एमएलडी) के अनुमानित वर्तमान सीवेज उत्पादन में से, सीवेज शोधन संयंत्र की कुल स्थापित क्षमता 103 एमएलडी है। सीवेज शोधन सुविधाओं में मौजूद कमियों को दूर करने के लिए, नमामि गंगे कार्यक्रम के तहत मुरादाबाद के लिए नालियों के अवरोधन एवं मोड़ परिवर्तन तथा सीवेज शोधन संयंत्र परियोजना को स्वीकृति दी गई है, जिसमें कुल 80 एमएलडी क्षमता वाले 2 सीवेज शोधन संयंत्रों की स्थापना शामिल है। इसके अतिरिक्त, स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के तहत काँठ और बिलारी कस्बों में सीवेज परियोजनाओं को अनुमोदित किया जा चुका है।

*****